सच लिखना अगर बगावत है ... तो समझो हम भी बागी है।।

सर्व धर्म शक्ति

एकता ही प्रतीक हमारा

मुजफ्फरनगर व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

हे राम, वाहे गुरु या अल्लाह, हे यीशू।

सेवा ही संकल्प हमारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सम्पादक : जी.के. शर्मा | फोन :-7668376851 :-9759551311 | email : sarvdharmshakti@gmail.com sdsimediacenter2009@gmail.com | प्रबंध संपादक : आदेश शर्मा

वर्ष : 22 अंक : 25 | रविवार, 30 जून से 06 जुलाई 2024 | मूल्य : 2 रुपया प्रति

संक्षिप्त समाचार

- अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क टूटा
- महाराष्ट्र सरकार ने सभी धर्मो के वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीर्थ दर्शन योजना की घोषणा की
- नीट विवाद के बीच बोले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, सरकार चर्चा को तैयार, कांग्रेस छात्रों के मुद्दे को उठाना नहीं चाहती
- गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष गोहिल ने कहा, नीट मामले में प्रधानमंत्री चुप क्यों है?
- दिल्ली में अगले कुछ दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट
- दिल्ली पुलिस ने तीन घंटे तक कार का पीछा कर अगवा भाई-बहन को बचाया
- अरविन्द केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई मामले में सुनाया फैसला
- निवेश के नाम पर व्यक्ति से 46 लाख रुपये की ठगी, पांच के खिलाफ मामला दर्ज
- महबूबा मुफ्ति को आखिर क्यों नहीं भा रहा आतंकियों के मददगारों पर जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक्शन?
- गौतमबुद्धनगर में नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई ने गुजरात में सात स्थानों पर छापेमारी की
- राजस्थान में जिलों के पुनर्गठन के संबंध में समिति गठित
- पिछले दो चुनावों में खाता तक नहीं खोल सकी पार्टी, कांग्रेस ने दिल्ली में जलभराव पर उठाए सवाल तो आप ने दिखाया आईना
- आप ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का किया विरोध, भूख हड़ताल के कुछ दिनों बाद आतिशी भी हुई शामिल
- मुसलमानों के बारे में चर्चा करें, इंडिया ब्लॉक के दलों से श्रीनगर सांसद की अपील
- पीएम आवास योजना शहरी के नौ वर्ष पूरे, लोगों के जीवन में सुगमता-सम्मान को प्रोत्साहन
- इमरजेंसी पर कांग्रेस को मिला लालू का साथ, बोले- इंदिरा गांधी ने हमें जेल में डाला लेकिन देशद्रोही नहीं कहा
- मुंबई में भीषण गर्मी का कहर, दोगुणा बिजली का बिल भरने को मजबूर हुए लोग
- कांग्रेस ने अडाणी समूह से जुड़ी रिपोर्ट को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा
- एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से फायरिंग, सेनाएं हाई अलर्ट पर
- आपातकाल को लेकर बिरला की टिप्पणी उचित नहीं थी : शरद पवार
- प्रज्वल रेवन्ना को नहीं मिल रही राहत, 8 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत
- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई, माकपा की भूमि बैंक में पड़े 73 लाख जब्त किए
- जजों की तुलना भगवान से करना सही नहीं है, अदालत और न्याय को लेकर सीजेआई का बड़ा बयान
- दिल्ली एयरपोर्ट की छत गिरने की घटना बहुत गंभीर, मृतक के परिजनों को मिलेंगे 20 लाख रुपये : नागरिक उड्डयन मंत्री
- एनडीए सरकार ने जल्दबाजी में दिल्ली एयरपोर्ट का किया अधूरा उद्घाटन, विपक्ष ने पीएम मोदी पर निशाना साधा
- मंडल स्तर पर शाखा का विस्तार नहीं होने से नाराज संघ ने बदले वरिष्ठ प्रचारको के कार्य क्षेत्र
- अयोध्या से समाजवादी पार्टी अवधेश प्रसाद के बेटे को दे सकती है टिकट
- कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू से रवाना तीर्थयात्रियों का पहला जत्था, यहां जानें अमरनाथ यात्रा के बारे में सबकुछ
- ये उनकी सोच है, पार्टी की नहीं, जयराम रमेश के दावों पर बोले सैम पित्रोदा
- सपा सांसद राम गोपाल यादव के बंगले में घुसा पानी, स्टाफ ने गोद में उठाकर कार में बैठाया
- दिल्ली हवाई अड्डे की घटना मोदी सरकार के 'भ्रष्टाचारी मॉडल' की मिसाल : मल्लिकार्जुन खडगे
- कश्मीर की सड़कों पर दौड़ते तांगे को खूब पसंद कर रहे हैं पर्यटक
- ओवैसी के घर हुए हमले से स्पीकर ओम बिरला परेशान, दिल्ली पुलिस आयुक्त को किया तलब
- दिल्ली में मानसून पहली बारिश, कब तक भरा रहेगा पानी और क्यों हुआ जलभराव? आतिशी ने दी सफाई
- 6 महीने बाद जेल से बाहर आए हेमंत सोरेन, हाई कोर्ट से मिली जमानत

3 महीने बाद पीएम मोदी ने की जनता से मन की बात

भारत के 65 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव करार देते हुए रविवार को कहा कि इसमें 65 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 'आकाशवाणी' के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 111वीं कड़ी में देशवासियों के साथ अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं आज देशवासियों को इस बात के लिए धन्यवाद भी देता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया है। साल 2024 का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने मत डाले हैं।'' प्रधानमंत्री ने लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग और मतदान की प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को बधाई दी। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस पर इस साल आरंभ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उल्लेख किया और कहा कि इसके तहत पेड़ लगाने का अभियान तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा, ''हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों या घरेलू। इस अभियान ने मां के प्रति स्नेह जताने का समान अवसर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी।'' प्रधानमंत्री ने 30 जून को मनाये जाने वाले 'हूल दिवस' पर देशवासियों को बधाई दी और कहा देश के आदिवासी भाई-बहन इसे धूमधाम से मनाते हैं। उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानियों सिदो-कान्हू को याद करते हुए कहा कि इनका बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। उन्होंने इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित संथाली में एक गीत के कुछ अंश की रिकॉर्डिंग भी लोगों को सुनायी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पेरिस ओलंपिक का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई की भारतीय खिलाड़ी

इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने लोगों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए 'चीयर4भारत' हैशटैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''इस हैशटैग के जरिए हमें अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाना है...तो इस गति को बनाए रखिए...आपकी ये गति...भारत का जादू दुनिया को दिखाने में मदद करेगी।'' मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद 'मन की बात' की यह पहली कड़ी है। 'मन की बात' कार्यक्रम की पिछली कड़ी का प्रसारण 25 फरवरी को हुआ था। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद लागू आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर इस कार्यक्रम का प्रसारण स्थगित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री ने इसके 110वें संस्करण में कहा था कि अगली बार जब वह इस कार्यक्रम के जरिए लोगों से रुबरु होंगे तो नयी ऊर्जा और नयी जानकारी के साथ मिलेंगे।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में झारखंड की इस महिला का आखिर क्यों किया जिक्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में जीत के बाद आज पहली बार मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में पीएम ने मन की बात के तहत गोड्डा के पोड़ैयाहाट प्रखंड के डांडे गांव में 28 वर्षीय नव उद्यमी प्रेरणा मिश्रा से बातचीत किया। बता दें यह मन की बात का 111 वां संस्करण है। प्रेरणा मिश्रा गांव में एक महिला समूह बनाकर स्टार्टअप ले तहत ई कॉमर्स व्यवसाय कर रही है। प्रेरणा मिश्रा अपने गांव डांडे में परंपरा गत तरीके से ढेकी व जाता में पिस कर तैयार सत्तू मसाला,

......................शेष पृष्ठ चार पर

जजों की तुलना भगवान से करना सही नहीं है, अदालत और न्याय को लेकर सीजेआई का बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने आज (29 जून) कहा कि भारत में न्यायाधीशों की तुलना भगवान से करने का चलन खतरनाक है क्योंकि न्यायाधीशों का काम जनहित की सेवा करना है। सीजेआई ने कहा कि जब उन्हें बताया जाता है कि अदालत न्याय का मंदिर है तो उन्हें अनिच्छा महसूस होती है क्योंकि मंदिर मानता है कि न्यायाधीश देवता की स्थिति में हैं। सीजेआई ने कहा कि बहुत बार, हमें ऑनर या लॉर्डशिप या लेडीशिप के रूप में संबोधित किया जाता है। बड़ा खघ्तरा होता है जब लोग कहते हैं कि अदालत न्याय का मंदिर है. सीजेआई चंद्रचूड़ ने शनिवार सुबह कोलकाता में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यह एक गंभीर खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवताओं के रूप में मानते हैं। मैं न्यायाधीश की भूमिका को लोगों के सर्वर के रूप में पुन: स्थापित करना चाहूँगा। और जब आप खुद को ऐसे लोगों के रूप में मानते हैं जो दूसरों की सेवा करने के लिए हैं, तो आप करुणा, सहानुभूति, न्याय करने की धारणा लाते हैं लेकिन दूसरों के बारे में निर्णय लेने की नहीं। उन्होंने कहा कि किसी आपराधिक मामले में सजा सुनाते समय भी न्यायाधीश दया की भावना से ऐसा करते हैं, क्योंकि अंत में सजा इंसान को ही सुनाई जाती है। कोलकाता में समकालीन न्यायिक विकास पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि समकालीन शब्द बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस काम के बारे में बात नहीं करता है जो हम अमूर्त रूप में करते हैं, बल्कि समकालीन समाज के संदर्भ में बात करते हैं।

कल्प वृक्ष है श्रीमद्भागवत कथा: शिवकुमार शास्त्री

मोरना। प्राचीन तीर्थ स्थल शुकतीर्थ में स्थित प्रसिद्ध दण्डी आश्रम में परम् पूज्य स्वामी गोविंदाश्रम महाराज की पच्चीसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को पूजा अर्चना के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। शुक्रवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। जनार्दन स्वरूप बृह्मचारी महाराज जी अध्यक्षता मे चल रही कथा में कथा व्यास पंडित शिव कुमार शास्त्री ने कहा कि कलयुग में श्रीमद्भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है। श्रध्दा पूर्वक कथा श्रवण करने से कल्याण रूपी छाँव प्राप्त होगी। श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से अनन्त जन्मों का कल्याण होता है।भागवत उदगम स्थली शुकतीर्थ में देवताओं का वास है। यहाँ गंगा तट पर भागवत श्रवण का बड़ा महत्व है।शुकतीर्थ में सहस्त्रो ऋषियों मुनियों महान सन्तों की पवित्र आत्माएँ भक्तो को आशीर्वाद प्रदान करती हैं।भागवत को जीवन मे उतारने से उच्च आचरण का मार्ग प्रशस्त होता है। कथा के दौरान भजनों की प्रस्तुति दी गयी।जिससे श्रद्धालु भक्ति भाव मे डूब गये और भक्ति नृत्य किया। प्रबन्धक के रूप में मनोहरलाल शर्मा, गंगा दत्त शर्मा, के डी शर्मा, जगदीश वषिष्ठ आदि उपस्थित रहे।

सरकार ने एनडीआरएफ कर्मियों के लिए 40 प्रतिशत जोखिम भत्ते को मंजूरी दी: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) बचावकर्मियों द्वारा पूरे किये जाने वाले कठिन अभियानों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए 40 प्रतिशत जोखिम और कठिनाई भत्ते को मंजूरी दी है। उन्होंने एनडीआरएफ के 35 सदस्यीय अभियान दल का स्वागत करते हुए यह बात कही। इस दल ने हाल में हिमाचल प्रदेश में 21,625 फुट ऊंची मणिरंग चोटी पर चढ़ाई की थी। मणिरंग चोटी हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और स्पीति जिलों की सीमा पर स्थित है। शाह ने 'विजय' नामक अभियान दल का स्वागत करने के बाद कहा, ''सरकार ने कल ही एनडीआरएफ कर्मियों के लिए 40 प्रतिशत जोखिम और कठिनाई भत्ते को मंजूरी दी है। यह लंबे समय से लंबित मांग थी... बल के सभी 16,000 कर्मियों को इसका लाभ मिलेगा।'' अधिकारियों ने बताया कि यह भत्ता वेतन के अतिरिक्त दिया जाएगा। शाह ने कहा कि सरकार ने विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और एनडीआरएफ जैसे विशेष संगठनों के लिए खेलों को जरूरी बनाने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि इन सुरक्षा बलों की कम से कम एक टीम अनिवार्य रूप से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेगी। मंत्री ने कहा, ''खुफिया ब्यूरो के निदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है और एक खाका तैयार किया गया है। हम जल्द ही एक नया मॉडल पेश करेंगे।'' शाह ने कहा कि उनकी सरकार ने एनडीआरएफ और राज्य आपदा मोचन बलों की क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के लिए 2004-14 के दौरान 66,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2014-24 के दौरान दो लाख करोड़ रुपये आवंटित करके अधिक धनराशि आवंटित की है। उन्होंने सफल अभियान के लिए एनडीआरएफ टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की कवायद से बल की क्षमता और मनोबल बढ़ेगा तथा आपदाओं और दुर्घटनाओं के दौरान वे बेहतर कार्य कर सकेंगे। शाह ने बचावकर्मियों को आगाह किया कि उन्हें अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए बल्कि सुधार करते रहना चाहिए।

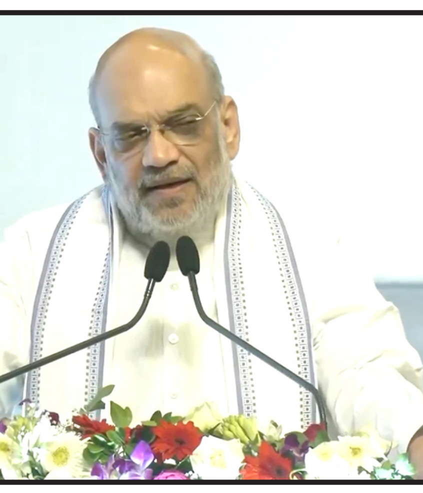

केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 10 लाख पार

❑ यात्रा खुलने के 51 दिनों में ही 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदारनाथ के दर्शन ❑ तीन लाख श्रद्धालु घोड़े-खच्चर, 40 हजार डंडी-कंडी, 58 हजार हेली से दर्शनों को पहुंचे केदारनाथ धाम

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस वर्ष 2024 में बाबा के धाम में उमड़ रहा आस्था का सैलाब ऐतिहासिक है। यात्रा शुरू होने के 51 दिनों में ही 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर लिए हैं। जबकि मानसून के दस्तक देने के बाद भी प्रतिदिन 6 हजार के करीब भक्त श्री केदारनाथ यात्रा पर पहुंच रहे हैं। बाबा केदारनाथ धाम की यात्रा इस वर्ष 10 मई को शुरु हुई थी। पिछले वर्षों की अपेक्षा यात्रा देर से शुरू होने के बाद भी बाबा के दर्शनों को पहुंचने वाले भक्तों की संख्या में कोई कमी नहीं आयी है। पहले दिन से ही आस्था का सैलाब केदारपुरी में देखने को मिल रहा है। जहां पिछले वर्ष 25 अप्रैल को कपाट खुले एवं पहले दिन 18335 श्रद्धालु इसके साक्षी बने थे, वहीं इस वर्ष 10 मई को कपाट खुलने के अवसर पर 29030 श्रद्धालु इसके साक्षी बने थे। पिछले वर्ष यात्रा जल्दी खुलने के बावजूद 51 वें दिन में 930432 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए थे जबकि इस वर्ष 29 जून को 51 वें दिन में यह आंकड़ा 10 लाख पार पहुंच चुका है। केदारनाथ पहुंचे 10 लाख श्रद्धालुओं में से 308700 घोड़े- खच्चर, 17871 डंडी, 23671 कंडी जबकि 58,520 हेली सेवा से बाबा के दर्शनों को पहुंचे हैं। जी मैक्स के प्रबंधक खुशाल ने बताया कि 29 जून तक 308700 श्रद्धालु घोड़े- खच्चर पर बाबा केदारनाथ के दर्शनों को पहुंचे हैं, जिससे घोड़े-खच्चर संचालकों को 81 करोड़ चार लाख की आमदनी हुई है जबकि सरकार को 04 करोड़ 63 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर अब तक 1200 घोड़े- खच्चरों को ब्लॉक किया गया है जिसमें से 190 वर्तमान में भी ब्लॉक हैं, जबकि 420 का चालान किया गया है। उधर, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि यात्रा शुरू होने से अब तक 58,520 श्रद्धालु हेली सेवा से बाबा केदारनाथ के दर्शनों को पहुंचे हैं, जिससे हेली कंपनियों ने 40 करोड़ 96 लाख 4000 रूपए का व्यवसाय किया है।

आगामी अक्टूबर माह से प्रारंभ होने वाले मां बगलामुखी महायज्ञ को लेकर केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी से आचार्य सूर्यांश ने मुलाकात कर महायज्ञ के विषय में विस्तार से चर्चा की और और यज्ञ में पहुंचने के लिए निवेदन किया।

मोहर्रम को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए मीटिंग आयोजित : मीटिंग के बाद सीओ गंगोह एवं थानाध्यक्ष ने सभी इमाम बारगाहों एवं जुलूस के रुटों का किया निरीक्षण

नानौता। आगामी माहे मोहर्रम के जुलूसों को शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए गंगोह क्षेत्राधिकारी शशि प्रकाश शर्मा व थाना अध्यक्ष अमित नागर ने नगर के शिया समाज एवं जिम्मेदार लोगों के साथ एक मीटिंग आयोजित की। मीटिंग के दौरान पत्रकार फैय्याज अली ने सभी जुलूस के रूट से पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। क्षेत्राधिकारी गंगोह ने कहा कि मोहर्रम शान्तिपूर्ण तारीके से सम्पन्न कराया जायेगा और पुलिस प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग रखते हुए मजलिसों और जलूसों में पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाएगी। थाना अध्यक्ष अमित नागर ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस द्वारा पैनी नजर रखी जायेगी जो भी क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने का प्रयास करेगा उससे सख्ती से निपटा जाएगा। शान्ति समिति की बैठक के बाद क्षेत्राधिकारी गंगोह एवम थाना अध्यक्ष अमित नागर ने सभी इमाम बारगाहो एवम जुलूस के रुटों का निरीक्षण किया। इस दौरान मौलाना तनवीर आलम, मौलाना मुख्तार हुसैन, मौलाना असद अली, चेयरमैन प्रतिनिधि अफ्ज़ाल खान, नावेद अख्तर बबली, इम्तियाज हुसैन, फैय्याज अली, रियाज हुसैन, नबी अख्तर, वकील हैदर, अकील अब्बास, मोनू आब्दी, महमूद अली, शाह अब्बास जैदी, सलमान हैदर नैनपुर, सहित दर्जनों शिया समाज के लोग मौजूद रहे।

अधिकारी बन कर आये व्यक्तियों ने साधु के साथ की अभद्रता : घटना का वीडियो इंटरनेट पर हो रहा वायरल

मोरना। सड़क पर जल भराव करने पर कार्रवाई करने की चेतावनी देकर अधिकारी बनकर आश्रम में घुसे व्यक्तियों ने साधु व सेवादारों के साथ अभद्रता करते हुए धक्का मुक्की की।सूचना पर पहुँची पुलिस ने घटना की जानकारी की। वहीँ साधु के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अभद्रता करने से सन्त समाज मे रोष व्याप्त हो गया। साधु ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीँ सन्तो ने तीर्थ नगरी में साधु सन्तो की सुरक्षा की माँग प्रशासन से की है। मामले का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित गौडीय मठ आश्रम के संचालक स्वामी भक्ति भूषण गोविंद महाराज ने बताया कि बुधवार की सुबह 11 बजे दो व्यक्ति मंदिर परिसर में जबरदस्ती घुस आए और सेवादारों से सड़क पर जल भराव करने की शिकायत कर अभद्रता करने लगे व्यक्तियों ने सड़क पर हुए जलभराव का मुआवजा देने अन्यथा जेल भेज देने की धमकी दी। आश्रम संचालक शोर सुनकर बीमारी की हालत में नीचे उतरकर आये और व्यक्तियों से उनका परिचय पूछा जिस पर उक्त व्यक्ति भड़क गये। और आश्रम संचालक के साथ धक्का मुक्की कर धार्मिक टिप्पणी व अभद्र भाषा का प्रयोग किया। हंगामा देख राहगीर व आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए जिस पर आरोपी मौके से फरार हो गए आश्रम संचालक में पुलिस को तहरीर देकर उक्त व्यक्तियों के खिलाफकड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है वहीं पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। वहीं घटना से जुड़ा वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। स्वामी भक्ति भूषण गोविन्द महाराज ने बताया कि बुधवार को बारिश के कारण सड़क पर थोड़ा बहुत पानी भर गया था।उनके आश्रम का पानी दूसरी ओर बने मार्ग की नाली में जाता है। इस मार्ग पर जल भराव कॉलिज के बराबर में हो रहा है। आश्रम का जल भराव से कोई सम्बंध ही नही है। किसी साजिश के तहत उनके साथ अभद्रता की गयी है।स्वयं को अधिकारी बताने वाले अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अनावश्यक रूप से की गयी अभद्रता से साधु संतों में रोष व्याप्त है।महाशक्ति सिद्ध पीठ के चन्द्रमा बृहचारी ने प्रशासन से शुकतीर्थ में साधु संतों की सुरक्षा मजबूत करने की माँग की है।

सर्व धर्म शक्ति

सम्पादकीय

उत्तर प्रदेश में सम्भावनाएं तलाश रहे राहुल गांधी!

उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से राहुल गांधी की जीत के बाद यूपी में पार्टी के लिये नई संभावनाएं तलाश रहा कांग्रेस आलाकमान और गांधी परिवार एक बार फिर प्रदेश में विस्तार के लिये कमजोर हो चुके संगठन को नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। राहुल गांधी ने भले ही समाजवादी पार्टी के वोट बैंक के सहारे रायबरेली से जीत हासिल की हो, लेकिन वह अपनी जीत को इस तरह से प्रचारित कर रहे हैं जैसे यूपी की जनता कांग्रेस को फिर से बीजेपी के विकल्प के रूप में देखने लगी है। राहुल गांधी ने केरल की वायनाड सीट से त्यागपत्र देकर रायबरेली सीट का संसद में प्रतिनिधित्व करने का निर्णय कर कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है, अब यह ऊर्जा कब तक बरकरार रहेगी कोई नहीं जानता है। इस बार समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाकर चुनाव लड़ रही कांग्रेस को यूपी में 06 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी। यूपी को लेकर राहुल गांधी की चपलता को आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। साढ़े तीन दशक से उत्तर प्रदेश में अपनी खोए जनाधार को तलाश रही कांग्रेस को अबकी लोकसभा चुनाव के नतीजों से नई उम्मीद जागी है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की निगाह अब उत्तर प्रदेश पर सबसे अधिक है। बीजेपी ने आम चुनाव में काफी खराब प्रदर्शन किया था, इससे भी कांग्रेस में खुशी का माहौल है। बहरहाल, यह एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि समाजवादी पार्टी ने यूपी में कांग्रेस को वह सब कुछ दे दिया है जिसकी उसे वर्षो से दरकार थी, लेकिन अब अखिलेश इसकी कीमत वसूलना चाहते हैं। अखिलेश भी कांग्रेस से इस बात की अपेक्षा कर रहे हैं कि वह भी यूपी में बाहर उन राज्यों में उसको हिस्सेदारी दे जहां जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को उसका हिस्सा नहीं दिया तो सपा प्रमुख अपनी साइकिल से कांग्रेस को उतारने में देरी नहीं करेंगे। सपा के सूत्र कह रहे हैं कि आम चुनाव के बाद यूपी में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस-सपा का गठबंधन महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव पर निर्भर करेगा। अगर कांग्रेस इन दो राज्यों में सपा को सीट देने के लिए तैयार हुई, तभी सपा यूपी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के किसी दावे पर विचार करेगी। यूपी में शीघ्र ही विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से एक सीट सीसामऊ (कानपुर) से सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ विधानसभा सदस्य अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। सपा के चार विधायकों अखिलेश यादव, अवधेश प्रसाद, लालजी वर्मा और जियाउर रहमान बर्क की सीटें उनके लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद रिक्त हो गई हैं। अखिलेश वर्ष 2019 का विधानसभा चुनाव करहल, अवधेश प्रसाद मिल्कीपुर, लालजी वर्मा कटेहरी और जियाउर रहमान कुंदरकी से जीते थे। खैर से भाजपा विधायक अनूप प्रधान वाल्मीकि, गाजियाबाद से अतुल गर्ग और फूलपुर से भाजपा विधायक प्रवीण पटेल के भी लोकसभा सदस्य चुने जाने से अब यह स्थान खाली हो गए हैं। मझवा (मिर्जापुर) से निषाद पार्टी के विधायक विनोद कुमार बिंद और मीरापुर से रालोद के विधायक चंदन चौहान भी अब सांसद हो गए हैं। इस तरह से शीघ्र ही चुनाव आयोग इन 10 रिक्त सीटों पर चुनाव कराएगा। कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत सपा से विधानसभा उपचुनाव में भी साझेदारी चाह रही है। बताते चलें कांग्रेस और सपा के बीच ऐसा ही मनमुटाव लोकसभा चुनाव से पहले हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा को सीट न दिए जाने से दोनों दलों के बीच देखने को मिला था।। इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं 2025 में पश्चिम बंगाल, दिल्ली और बिहार में विधान सभा चुनाव होने हैं। सपा के अंदरखाने चर्चा है कि कि अगर कांग्रेस महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी को कुछ सीटें देने पर रजामंद हुई, तभी यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस को कोई सीट देने पर विचार किया जा सकता है। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी की ठीकठाक पकड़ है। 2019 के विधानसभा चुनाव में यहां से सपा के दो विधायक जीते थे। इससे पहले भी सपा वहां चुनाव जीतती रही है। इसी आधार पर सपा ने महाराष्ट्र में दावा करने का फैसला किया है। वहीं, हरियाणा की 20 सीटों पर मुस्लिम-यादव समीकरण प्रभावी हैं, जिसे सपा अपने पक्ष में मानती है। इस बारे में सपा के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि यूपी में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, लेकिन उपचुनाव में सीटों के मामले में कोई भी निर्णय समय आने पर सपा नेतृत्व ही लेगा। उधर, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि राहुल गांधी के निर्णय से उत्तर प्रदेश कांग्रेस को बड़ी ताकत मिली है। प्रदेश कांग्रेस की मांग पर उन्होंने अपनी परंपरागत सीट को चुना है, जिससे पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में उत्साह है। प्रदेश में संगठन को बूथ स्तर पर खड़ा करने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। पार्टी अभियान के तहत इसमें जुटी है और वरिष्ठ पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी जा रही हैं। हर जिले में नए कार्यकर्ताओं को जोड़ा जा रहा है। पार्टी मुख्यालय में राहुल गांधी का जन्मदिन मनाए जाने के साथ ही सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर विशेष आयोजन किए गये है। कांग्रेसी निराश्रित महिलाओं के बीच जाकर खुशियां बांटेंगे। सूत्र बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में अमेठी व रायबरेली समेत छह सीटों पर कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की चुनौती भी और बढ़ गई है। पार्टी के निष्क्रिय चेहरों को चिह्नित कर हटाने की तैयारी भी है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी की सक्रियता अब और बढ़ेगी।

विधवाओं की सुध लेता मानवाधिकार आयोग!

हाल में अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 23 जून के पूर्व ही विधवाओं के हित में खास पहल की। अभी तक हर जगह विधवाओं की उपेक्षा की जाती रही है, लेकिन अब यह संभव नहीं होगा। अभी 12 जून को एनएचआरसी ने विधवाओं के मानवाधिकारों के संरक्षण पर परामर्श जारी किया है। विधवा महिलाओं के समग्र कल्याण पर विचार करते हुए एनएचआरसी ने अपने परामर्श में केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा

कार्रवाई के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों और अन्य उपायों पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें उनके उचित पहचान दस्तावेज सुनिश्चित करना, आश्रयगृहों का विकास और रखरखाव, संपत्ति तक पहुंच, अपने घरों से बेदखल होने से रोकना और शोषण से सुरक्षा, कौशल विकास का प्रावधान और स्थायी आजीविका तक पहुंच, आसान बैंकिंग और वित्तीय स्वतंत्रता तक पहुंच, स्वास्थ्य देखभाल, सामर्थ्य और उपलब्धता, मानसिक स्वास्थ्य, समुदाय आधारित नेटवर्क, निराश्रित विधवाओं के मुद्दों के बारे में डेटा सहित 17वीं लोकसभा में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल द्वारा पेश विधवा (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक-2015 भी शामिल है। मानवाधिकार आयोग ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और संबंधित विभागों को भी सलाह दी है कि वे अपनी वेबसाइटों पर विधवाओं के लिए सभी सरकारी गृहों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस रखें। इसी के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर एक टीम की तैनाती की सिफारिश की गई है, जो इन आश्रमों और घरों का दौराकर स्वास्थ्य, मनोरंजन और कौशल विकास सुविधाओं सहित रहने की स्थिति की निगरानी करेगी, ताकि उन्हें रोजगार और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिल सके। परामर्श में विधवाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से उन तक पहुंचना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। एनएचआरसी ने परामर्श जारी करने की आवश्यकता इसलिए महसूस की, क्योंकि उसने देखा कि विधवा महिलाओं को अपने पति को खोने के भावनात्मक संकट के अलावा, अक्सर कई अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिनमें सामाजिक बहिष्कार, आय, यहां तक कि निवास का नुकसान भी शामिल है। एनएचआरसी के महासचिव भरतलाल के मुताबिक 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में विधवाओं की कुल आबादी 5.6 करोड़ है। विधवा महिलाओं को अक्सर अपने पति की मृत्यु के बाद खुद की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया जाता है। अपने परिवारों से पर्याप्त सहायता और वित्तीय स्वतंत्रता की कमी के कारण उन्हें समुदाय से अलग-थलग कर दिया जाता है, यहां तक कि उन्हें अपना घर छोड़कर आश्रय गृहोंआश्रमों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। निरक्षरता और बढ़ती उम्र के कारण उनकी स्थिति और भी खराब हो जाती है। परामर्श के मुताबिक प्रत्येक जिले में एक विधवा प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा जो विधवाओं की योजनाओं के लिए एकल खिड़की के रूप में काम कर सके। सभी आश्रयगृहों का विधवा प्रकोष्ठ में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि इनमें क्षमता से अधिक भीड़ न हो। आवंटित सार्वजनिक और निजी आश्रयगृहों में और उसके आसपास रहने वाली सभी विधवाओं के आधार कार्ड बनाए जाने चाहिए, ताकि उन्हें विभिन्न योजनाओं के लाभ सुनिश्चित किए जा सकें। विधवाओं को उचित पहचानपत्र उपलब्ध कराना, ताकि वे योजनाओं का लाभ उठा सकें तथा विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र के अभाव में उन्हें इनसे वंचित न किया जाए। कानूनी सहायता प्रदान करके उनके अधिकार के बारे में उनमें जागरूकता पैदा करके संपत्ति के उत्तराधिकार के उनके कानूनी अधिकार के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना, उन्हें न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी) जैसे शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकित करने का प्रयास करें, ताकि उन्हें वित्तीय साक्षरता सहित कम से कम बुनियादी साक्षरता दी जा सके। आश्रय गृह और आश्रम विधवाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। विधवाओं में स्वरोजगार और उद्यमशीलता की खातिर स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रोत्साहित करना, संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना कि सभी विधवाओं के पास प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत बैंक खाता हो, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और देखभाल की आवश्यकता वाली विधवाओं के लिए विशेष देखभाल की व्यवस्था की जानी चाहिए और उनके सुधार को सक्षम बनाया जाना चाहिए। आंगनवाड़ी, अनाथालयों और प्राथमिक विद्यालयों में विधवाओं के ज्ञान और अनुभवों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, ताकि उन्हें उद्देश्य की भावना मिल सके और बच्चों के कौशल में वृद्धि हो सके। पुनर्विवाह या जीवनसाथी खोजने की इच्छुक विधवाओं को उपयुक्त एजेंसियों से जोड़ा जाना चाहिए। विवाह या संबंध विच्छेद होने या पति या पत्नी की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधवा को बिना किसी नई औपचारिकता के आश्रयगृह में लौटने का विकल्प होना चाहिए। राज्य सरकार विधवा पुनर्विवाह के लिए मौजूदा योजनाओं के तहत विवाह के लिए उपयुक्त धनराशि भी उपलब्ध करा सकती है। परित्यक्त विधवाओं की दुर्दशा से निपटने के लिए उपयुक्त कानून की आवश्यकता है, जैसे कि सती प्रथा के खिलाफकानून। विधवाओं का अंतिम संस्कार आश्रय गृहों द्वारा गरिमापूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। यह निराश्रित विधवाओं के रीति-रिवाजों और आस्था के अनुसार किया जाना चाहिए। आश्रय गृहों और आश्रमों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए गैर सरकारी संगठनों और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जोड़ना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण प्रदान करके निराश्रित विधवाओं को सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कोरोना महामारी के दौरान विधवा प्रथा उन्मूलन की दिशा में एक बहुत बड़ा आंदोलन शुरू हुआ था। नतीजे में महाराष्ट्र में जब भी किसी महिला के पति की मौत होती है, तो विधवा हुई महिला के मंगलसूत्र नहीं उतारे जाते, न चूड़ियां तोड़ी जातीं और न ही कुमकुम-सिंदूर पोंछे जाते। इस आशय का एक सर्कुलर भी महाराष्ट्र सरकार ने पिछले साल जारी किया है। राज्य की हजारों पंचायतों में इस सर्कुलर को लागू किया गया है और शेष बची पंचायतों में भी लागू करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं और पंचायत सदस्यों की कोशिश जारी है। यह आंदोलन अब गोवा में भी फैल गया है। सावित्री बाई सेवा फाउंडेशन, पुणे ने अनेक संस्थाओं के साथ दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस का आयोजन किया था। महाराष्ट्र में विधवा प्रथा विरोधी आंदोलन में आज भी हजारों महिलाएं लगी हैं। इन आंदोलनरत महिलाओं के लिए आयोग की सिफारिशें एक ताकत बनकर आई हैं। सावित्रीबाई सेवा फाउंडेशन की सचिव हेमलता म्हस्के और वैधव्य मुक्ति अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बरखा लकड़ा ने आयोग की पहल का स्वागत किया है। विधवा प्रथा विरोधी अभियान के प्रमोद झिंझड़े ने एनएचआरसी द्वारा जारी परामर्श का स्वागत करते हुए कहा है कि विधवाओं के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह एक बहुत बड़ी पहल है जिसे हम सबको सक्रिय होकर लागू करवाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए, ताकि सती प्रथा की तरह विधवा प्रथा भी इतिहास की बात हो जाए। उन्होंने आयोग से निवेदन किया है कि परामर्श में यह भी जोड़ा जाना चाहिए कि पति की मौत के बाद विधवा हुई महिला के मंगलसूत्र जबरन न उतारे जाएं, न चूड़ियां तोड़ी जाएं और न ही उनके साथ दोयम दर्जे का कोई व्यवहार किया जाए।

2 जुलाई को मनाई जाएगी योगिनी एकादशी, पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जप

सनातन धर्म में एकादशी तिथि को बेहद शुभ माना गया है। हर महीने में 2 बार

आचार्य सूर्यांश भारतीय
प्रभारी दिल्ली
उ0प्र0 सर्व धर्म शक्ति संगठन

एकादशी व्रत किया जाता है। एक कृष्ण और दूसरा शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मुरादें पूरी होती हैं। जुलाई के महीने में योगिनी एकादशी और देवशयनी एकादशी पड़ेगी। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि जगत के नाथ भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन योगिनी एकादशी मनाई जाती है। वर्ष 2024 में 02 जुलाई को योगिनी एकादशी है। योगिनी एकादशी पर वैष्णव समाज के लोग व्रत रख विधि-विधान से लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि पाने के लिए विशेष उपाय भी करते हैं। भगवान विष्णु की कृपा से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। योगिनी एकादशी पर 4 शुभ योग का निर्माण हो रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सच्चे मन से एकादशी व्रत करने से जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि लोगों को यह व्रत जरूर रखना चाहिए। साल में 24 एकादशी के व्रत रखे जाते हैं। यह सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन उनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती हैं। ऐसे में कुछ लोग निर्जला उपवास भी रखते हैं, जो बेहद कठिन होता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि जो भी एकादशी का व्रत रखता है, उसपर भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ऐसे में आषाढ़ माह में आने वाली योगिनी एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस बार 2 जुलाई 2024 के दिन ये व्रत रखा जाएगा। मान्यता है कि योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा-अर्चना करने पर पापों से मुक्ति मिलती हैं। ये भी कहा जाता है कि इस व्रत को करने से मृत्यु के बाद भगवान विष्णु के चरणों में स्थान प्राप्त होता है। इस दिन व्रत रखने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर का फल प्राप्त होता है।

योगिनी एकादशी शुभ मुहूर्त : पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 01 जुलाई को सुबह 10:26 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 02 जुलाई को सुबह 08:42 मिनट पर पर होगा। ऐसे में 02 जुलाई को योगिनी एकादशी व्रत किया जाएगा।

धृति योग: योगिनी एकादशी पर धृति योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन धृति योग सुबह 11:17 मिनट तक है। इसके बाद शूल योग का निर्माण होगा। धृति योग में भगवान विष्णु की पूजा करना परम फलदायी होगा।

त्रिपुष्कर योग: योगिनी एकादशी तिथि पर त्रिपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 08:37 मिनट से हो रहा है और समापन 03 जुलाई को सुबह 04:40 मिनट पर होगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग: योगिनी एकादशी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 05:27 मिनट से हो रहा है और

समापन 03 जुलाई को सुबह 04:40 मिनट पर होगा। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शिववास योग: योगिनी एकादशी पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भगवान शिव सुबह 08:42 मिनट तक कैलाश पर विराजमान रहेंगे। इसके बाद नंदी पर सवार रहेंगे। भगवान शिव के कैलाश और नंदी पर विराजमान रहने के दौरान अभिषेक करने से साधक को सभी कार्यों में सिद्धि प्राप्ति होती है।

योगिनी एकादशी पूजा विधि: योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा का विधान है। साथ ही पीपल के वृक्ष की पूजा भी करनी चाहिए। इस दिन प्रातः काल उठकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद पीले रंग के वस्त्र धारण करना अधिक शुभ होता है। फिर भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इसके बाद उनकी विधि अनुसार पूजा करे और योगिनी एकादशी व्रत की कथा पढ़ें। बाद में विष्णु जी की आरती करें। इस दिन आप जरूरतमंद लोगों को भोजन व दान दक्षिणा भी दे सकती हैं, इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।

पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जप

विष्णु गायत्री मंत्र

श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात।

विष्णु मंगल मंत्र

मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुणध्वजः।
मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

योगिनी एकादशी व्रत के नियमः योगिनी एकादशी व्रत के दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी का व्रत नहीं रखने वालों को भी चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन बाल, नाखून, और दाढ़ी कटवाने की भूल न करें। योगिनी एकादशी के दिन ब्राह्मणों को कुछ दान अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत के पारण करने के बाद अन्न का दान करना शुभ माना गया है।

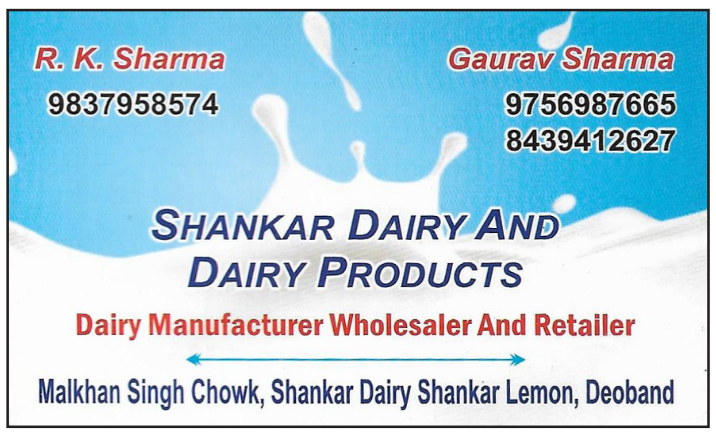

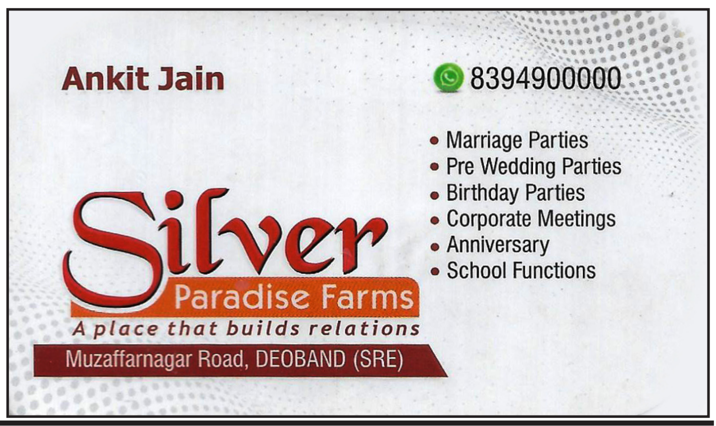

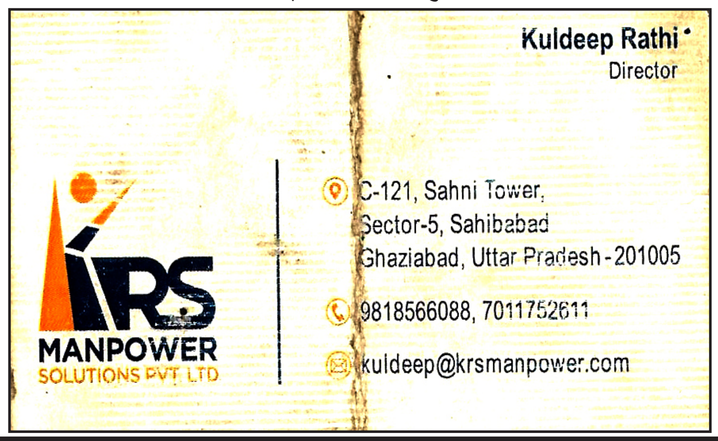

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा ने सर्व धर्म शक्ति हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र को एन.एस. प्रेस 432 लद्दावाला मुजफ्फरनगर से छपवाकर मुख्य कार्यालय 99 रामलीला टीला गली नं0 4, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक : ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा
प्रबंध सम्पादक : आदेश शर्मा उर्फ आचार्य सूर्यांश
सह सम्पादक : प्रवीण त्यागी (एनसीआर-दिल्ली)
उत्तरांचल कार्यालय : कुंवर प्रणव सिंह रंग महल लंढौरा रियासत, रूड़की, हरिद्वार (उत्तरांचल)।
फोन :- 7668376851, 9759551311

1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान

शामली। विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का द्वितीय चरण दिनांक

01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक चलेगा जिसमें 11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक दस्तक अभियान चलेगा। इस सम्बन्ध में आज कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के लिए द्वितीय अन्तर्विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने को लेकर अन्तर्विभागीय अधिकारियों को माइक्रोप्लान के अनुसार कार्य करने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही निर्देशित किया कि धरातल पर कार्य दिखना चाहिए खानापूर्ति दिखाई तो कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि 0 से 5 वर्ष के बच्चे जिन्हें डायरिया होगा उन्हें निर्धारित मात्रा में वै और जिंक की गोली दी जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि उ0प्र0 शासन से प्राप्त निर्देश के अनुरूप सभी गतिविधयों सम्पादित कराएंगे। दस्तक अभियान में आशा,आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा घर-घर जाकर-बुखार,क्षय, टीबी, कुष्ठ रोगियो की सूची, कुपोषित बच्चो की सूची, क्षेत्रवार ऐसे मकानो की सूची जहाँ घरो के भीतर मच्छर प्रजनन पाया गया हो कि सूची आदि कार्य किया जायेगा। बैठक में डा0 अनिल कुमार मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 अतुल बंसल,समस्त अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सहित समस्त संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

डीएम व एसएसपी से आश्रम की भूमि बेचने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की लगाई गुहार

सहारनपुर। फर्जी कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर आश्रम की भूमि बेचने वाले भू-माफ्रियाओं के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराने हेतू जिलाधिकारी सहारनपुर व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर को एक शिकायती पत्र सौंपा है। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के श्री गुलाबदास आश्रम गढ़ी मलूक नम्बर-एक के महंत सतनामदास ने बताया कि श्री गुलाबदास आश्रम की भूमि खसरा नम्बर 971/2, 972/1, 974, 966, 963/1, 964/1, 971/3, 972/2 स्थित दरा मिलकाना स्वाद अन्दरून जैड0ए0 परगना व तहसील सहारनपुर को लेकर वाद माननीय न्यायालयों में विचाराधीन है। वादों के चलते फर्जी कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर षडयंत्र के तहत आश्रम की करोड़ों रूपये की सम्पत्ति भू-माफ्रियाओं गुरूबक्श सिंह पुत्र दर्शन सिंह, प्रेम सिंह पुत्र दर्शन सिंह, प्रीत कमल सिंह पुत्र अर्जुन सिंह निवासी दशमेश नगर त्रिरपुरी पटियाला, परविन्द्र सिंह पुत्र जागीर सिंह निवासी गिल कॉलोनी, सहारनपुर, आशुदीप सिंह पुत्र गुरूबक्श सिंह निवासी न्यू प्रद्युमन नगर सहारनपुर, योगेश कुमार पुत्र बागेश्वर दयाल निवासी माधोनगर सहारनपुर, कुमारी बिसमा पुत्री मौ0 सरवर निवासी पुल कम्बोहान सहारनपुर, श्रीमती शहजाद बेगम पत्नी मौ0 इसरार निवासी मौहल्ला मिश्रान हिरनमारान सहारनपुर, नासिर मुन्ने अंसारी पुत्र मुन्ने अब्दुल हक अंसारी निवासी 10-ए अंसारी हाईट्स, फ्लैट नम्बर-1501, 1502, निशान्त पैड्रा क्रोस लेन डोंगरी, मुम्बई, महाराष्ट्र, असलम पुत्र हाजी गनी निवासी हजीरा सराय व तनवीर पुत्र रसीद अहमद निवासी गढ़ी मलूक नम्बर-एक सहारनपुर द्वारा क्रय-विक्रय कर दी है। उन्होंने बताया कि माननीय राजस्व परिषद प्रयागराज में आश्रम की ओर से रिव्यू प्रार्थना पत्र संख्या-4/2010-11 गुलाबदास आश्रम बनाम गुरूबक्श सिंह आदि विचाराधीन था और माननीय राजस्व परिषद की ओर से वाद स्थगनादेश निरन्तर प्रभावी था। परन्तु इसी बीच भू-माफ्रियाओं द्वारा फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आश्रम की भूमि बेच डाली। माननीय राजस्व परिषद प्रयागराज द्वारा उपरोक्त रिव्यू संख्या-04/2010-11 दिनांक 10.06.2024 को प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया है। उक्त आदेश पारित होने से अपर आयुक्त सहारनपुर मण्डल, सहारनपुर को आदेश दिनांक 20.07.2006 पूर्ण रूप से प्रभावी हो गया है और अपर आयुक्त के आदेश में उपरोक्त खसरा नम्बर पर आश्रम को संक्रमणीय भूमिधर घोषित किया गया है। उन्होंने आश्रम की भूमि बेचने वाले भू-माफ्रियाओं के विरूद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की।

स्पेशल पैकेज या विशेष राज्य का दर्जा, आरक्षण पर भी डिमांड, जेडीयू की बैठक में नीतीश ने यूं बढ़ाई मोदी सरकार की टेंशन

पटना। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल-यूनाइटेड ने शनिवार को बिहार के लिए श्विशेष श्रेणीश् का दर्जा देने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित

किया। यह प्रस्ताव दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान लिया गया। बैठक में, बिहार के मुख्यमंत्री ने राज्य के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा देने की वकालत करने का वादा किया, यह मांग पार्टी द्वारा पहले भी कई बार उठाई गई है। विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए यह प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा केंद्र में सत्ता में बने रहने के लिए कुमार की जद (यू) के समर्थन पर निर्भर है, जिसके पास नवनिर्वाचित लोकसभा में 12 सीटें हैं। यह पिछले साल बिहार कैबिनेट द्वारा राज्य के लिए विशेष दर्जे की मांग का प्रस्ताव पारित करने के बाद आया है। सूत्रों से पता चला कि बैठक के दौरान पेश किए गए राजनीतिक प्रस्ताव में बिहार के लिए विशेष दर्जे की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया गया। विशेष दर्जा नहीं तो नीतीश कुमार की पार्टी की ओर से राज्य के लिए विशेष वित्तीय पैकेज की भी मांग की जा सकती है। पार्टी ने यह भी मांग की कि केंद्र सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए उच्च आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करे। यह मांग तब भी आई है जब पटना उच्च न्यायालय ने पिछड़े वर्गों के लिए 65 प्रतिशत कोटा लागू करने के बिहार सरकार के फैसले को अमान्य कर दिया था, जो राज्य के उद्घाटन जाति सर्वेक्षण पर आधारित था। जेडीयू की राष्ट्रीय बैठक वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और 2025 में होने वाले आगामी बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुलाई गई थी। पार्टी ने कहा कि 2025 के चुनावों के लिए संगठन के सभी स्तरों पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ त्रुटिहीन समन्वय और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद होना चाहिए, जिससे जदयू को लोकसभा चुनावों में भी बेहतर स्कोर करने में मदद मिली। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने नीतीश कुमार के नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया और उनके मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया. बिहार में अक्टूबर 2025 में 243 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान होने की उम्मीद है। पार्टी 2024 के झारखंड चुनावों में उम्मीदवार उतारने की योजना बना रही है और मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। कार्यकारिणी ने केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्रियों को कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके कार्यक्रमों की जानकारी बूथ स्तर तक पहुंचे। राजनीतिक प्रस्ताव में हालिया लोकसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए नीतीश कुमार को बधाई दी गई. बैठक में लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत के लिए पीएम मोदी को बधाई भी दी गई।

पीएम आवास योजना शहरी के नौ वर्ष पूरे, लोगों के जीवन में सुगमता-सम्मान को प्रोत्साहन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की 9वीं वर्षगांठ पर यह बताना जरूरी है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ अतिरिक्त ग्रामीण एवं शहरी घर करोड़ों भारतीयों के 'जीवनयापन में सुगमता और सम्मान को एक प्रोत्साहन है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले कार्यकाल में योजना को दिसंबर, 2024 तक विस्तार दिया था ताकि स्वीकृत मकानों का निर्माण पूरा हो सके और लाभार्थियों को चाबी सौंपी जा सके। अभी तक जो 4 करोड़ से अधिक घर बने हैं उनमें से एक करोड़ से अधिक घर शहरी गरीबों को दिए गए हैं। अब ग्रामीण एवं शहरी अतिरिक्त घरों के निर्माण का निर्णय राष्ट्र की आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने, प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर गुणवत्ता वाला जीवन सुनिश्चित करने और वंचितों को पक्के घर देने के प्रति तीसरे कार्यकाल में भी केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पीएमएवाई के तहत निर्मित सभी घरों में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं को मिलाते हुए घरेलू शौचालय, एलपीजी कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, सक्रिय घरेलू नल कनेक्शन समेत अन्य बुनियादी सुविधाएं दी जाती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कहा गया कि पात्र परिवारों की संख्या में बढ़ोतरी से पैदा हुई आवास की जरूरतों को यह 3 करोड़ अतिरिक्त मकान पूरा करेंगे जिसके लिए ग्रामीण और शहरी परिवारों को सरकार सहायता देगी। बीते नौ वर्षों में देश में जो मकान लाभार्थियों को दिए गए हैं उनमें लगभग 70 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम है। इसमें जयादातर महिलाएं वो हैं जिनके नाम पर पहली बार कोई प्रपॉर्टी रजिस्टर हुई है। केंद्र सरकार की सभी के लिए आवास योजना में घर पाकर ना सिर्फ लोग सम्मानित महसूस कर रहे हैं बल्कि इससे उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में पक्के मकान के लिए केंद्र सरकार लगातार अपना बजट भी बढ़ा रही है। चालू वित्त विर्ष में जरुरतमंद पात्र लाभार्थियों के लिए अधिक से अधिक पक्के घर बने इसके लिए 2024-25 के बजट में 80 हजार 671 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। यह घर ऐसे परिवारों को मिल रहे हैं, जिनके पास अपना पक्का घर नहीं था। आधुनिक तकनीक वाले लाइट हाउस बनाए जा रहे हैं, जिसमें करीब 16 लाख मकान बन रहे है। प्रधानमंत्री आवास योजना में केंद्र सरकार जो सहायता देती है, उसकी प्रक्रिया और राशि निर्धारित है। पीएमएवाई जी में मैदानी क्षेत्र के लाभार्थियों को 1.20 लाख रुपये और पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यो, कठिन क्षेत्रों और एकीकृत कार्य योजना जिलों में 1.30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, या वित्त पोषण के किसी अन्य समप्रित स्त्रोत के साथ मिलकर शौचालय के निर्माण के लिए 12,000/- रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाती है। पीएमएवाई जी परिवारों को अन्य प्रासंगिक योजनाओं

के साथ पानी, एलपीजी, और बिजली कनेक्शन दिए जाते है। जीवन की मूलभूत जरुरतों के लिए भी वर्षों तक पुरानी व्यवस्था में लोग तरसते रहे। झुग्गी-झोपड़ी में जन्म लिया और आने वाली मेरी पीढ़ी भी झोपड़ी में रहेगी इस सोच से देश बाहर निकल रहा है। वर्तमान सरकार पिछले 10 वर्षों से योजनाओं के सैचुरेशन का जो प्रयास कर रही है, उसमें पीएम आवास योजना बड़ा पहलू है। धर्म जाति, प्रांत से ऊपर उठकर सभी पात्र लाभार्थी को आवास दिए जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि जब गरीब के जीवन की मूल आवश्यकताओं की चिंता कम होती है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। केंद्र सरकार जिनके पास अपना घर नहीं है, उन्हें सही किराए पर अच्छा घर मिले इसकी चिंता भी कर रही है। सरकार ने शहरी प्रवासियों, मजदूरों और दूसरे काम करने वालों को किराए के घर के लिए विशेष योजना बनाई है। इसके लिए अनेक शहरों में विशेष कॉम्प्लेक्स भी बनाए जा रहे है। किफायती किराए के आवास परिसर (एआरएचसी) की शुरुआत केंद्र सरकार ने की है। इसके एक मॉडल के तहत तमिलनाडु में 18,112 यूनिट समेत कुल 48,113 यूनिट का निर्माण हो रहा है। इस योजना में प्रवासियों को उनके कार्यस्थल के नजदीक किफायती दर से किराए का मकान उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के पहले मॉडल में चंडीगढ़, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर में मौजूदा सरकारी वित्त पोषित 5648 आवास शहरी गरीब और प्रवासी के लिए एआरएचसी में परिवर्तित कर दिया गया है। साथ ही 7 हजार से अधिक खाली घरों को भी एआरएचसी में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से पक्के घर का मालिक बनने वाले करोड़ों परिवारों की कहानी कुछ ऐसी ही है। कोई झोपड़ी में तो कोई शहर में झुग्गी में रहने को मजबूर था। लोग अपना घर पाकर आत्मविश्वास से भरपूर महसूस कर रहे है। उनका आत्म सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी खुद कई मौकों पर कह चुके हैं कि अपना मकान मिलने की खुशी इसलिए भी ज्यादा होती है क्योंकि मकान सिर्फईंट, सीमेंट ये तैयार नहीं होता है बल्कि ये भावनाएं, आकांक्षाओं से जुड़ा होता है। घर की चार दीवारी लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है। इससे बेहतर कल का भरोसा भी व्यक्ति के जीवन में आता है।

जरा सी बारिश में जलमग्न हुआ शहर

मुजफ्फरनगर। थोड़ी सी वर्षा से शिव चौक समेत पूरा शहर जलमग्न हो गया और नाला सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई। पानी निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण गली मुहल्ले में भी नागरिक रहे। शहर में हुई वर्षा के कारण सडकें नदी और नहर के रूप में तब्दील हो गई। पानी की निकासी की कोई सही व्यवस्था ना होने के कारण घण्टों पूरे शहर में पानी भरा रहा जिससे आम जनता को बहुत बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश रुकने के बाद भी शहर के कई क्षेत्रों में जबरदस्त पानी भरा रहा। पानी भरने से पूरा शहर मुजफ्फरनगर जलमग्न हो गया था।

40 लाख ग्राउंड वकर्स, 5.65 लाख पुलिस अधिकारी, नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता फैलाने के लिए केंद्र ने की बड़ी तैयारी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय अगले सप्ताह से तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें 40 लाख जमीनी स्तर के पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग कानूनों के बारे में जागरूक हों और इनका सभी पर, विशेषकर महिलाओं और बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 5.65 लाख से अधिक पुलिस, जेल, फोरेंसिक, न्यायिक और अभियोजन अधिकारियों को पिछले साल लागू किए गए नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में प्रशिक्षित किया गया है। 1 जुलाई से लागू होने वाले ये कानून क्रमशः ब्रिटिश-युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। चूंकि नए आपराधिक कानूनों में जांच,

मुकदमे और अदालती कार्यवाही में प्रौद्योगिकी पर जोर दिया गया है, इसलिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने मौजूदा अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम एप्लिकेशन में 23 कार्यात्मक संशोधन किए हैं, जिसके तहत अब सभी मामले हर पुलिस स्टेशन में दर्ज किए जाते हैं। एनसीआरबी नई प्रणाली में निर्बाध परिवर्तन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, एनसीआरबी ने नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निरंतर समीक्षा और सहायता के लिए 36 सहायता टीमों और कॉल सेंटरों का गठन किया।

नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई ने गुजरात में सात स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले में गुजरात में सात स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चार जिलों - आनंद, खेड़ा, अहमदाबाद और गोधरा में संदिग्धों के परिसरों पर सुबह छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई। सीबीआई ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में झारखंड के हजारीबाग स्थित एक स्कूल के प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य और एक हिंदी समाचार पत्र के एक पत्रकार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य एहसानुल हक को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा पांच मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए हजारीबाग का नगर समन्वयक बनाया गया था। उन्होंने बताया कि उप-प्रधानाचार्य इम्तियाज आलम को एनटीए का पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल का केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई प्रश्नपत्र लीक मामले के सिलसिले में जिले के पांच और लोगों से भी पूछताछ कर रही है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पत्रकार जमालुद्दीन अंसारी को प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने इस मामले में छह प्राथमिकी दर्ज की हैं। एनटीए ने देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी परीक्षा आयोजित की थी। इस साल पांच मई को कुल 571 शहर के 4,750 केंद्र पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में 23 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

जिलाधिकारी ने किया आईसीसीसी एवं डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम तथा नगर निगम में बने आईसीसीसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डा0 अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम बैडमिन्टन हॉल, जूडो हॉल, मल्टीपरपज हॉल, जूडो छात्रावास एवं स्विमिंग पूल, शूटिंग रेंज का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्विमिंग पूल की क्रमानुसार गहराई की नाप व स्विमिंग पूल में प्रवेश हेतु 48 घण्टें में लिखवाने हेतु निर्देशित किया एवं स्टाटिंग ब्लॉक बनवाने के लिए कहा। उन्होंने स्टेडियम में पीने के पानी की व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में खेल विभाग द्वारा नियुक्त प्रशिक्षकों द्वारा ही प्रशिक्षण दिया जाये। अवैध रूप से प्रशिक्षण देने वालों का पता सहित सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। शूटिंग रेंज शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए। सिन्थेटिक ट्रैक अपनी देखरेख में रिपेयर कराने के साथ ही स्टेडियम की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सहारनपुर स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) से विभिन्न जंक्शनों व शहर में लगाये गये कैमरों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आईसीसीसी को 24 गुणा 7 चालू रखा जाए। उन्होंने कहा कि बिना नंबर

❑खेल विभाग द्वारा नियुक्त प्रशिक्षकों द्वारा ही दिया जाये प्रशिक्षण:मनीष बंसल ❑क्रीड़ा अधिकारी सिन्थेटिक ट्रैक अपनी देखरेख में कराएं रिपेयर ❑स्विमिंग पूल की निरंतर की जाए साफ-सफाई, प्रवेश हेतु लिखवाए जाएं निर्देश

प्लेट वाले वाहनों की भी आईटीएमएस प्रणाली द्वारा गणना की जाए। उन्होंने जीआईएस की विभिन्न परतों को देखा और उनके बारे में चर्चा की। एनईसी प्रतिनिधियों द्वारा सीसीटीवी, आईटीएमएस, जीआईएस, पीए एण्ड ईसीबी, ओएफसी नेटवर्क आदि जैसे विभिन्न समाधानों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना, उप क्रीडाधिकारी काशी नरेश यादव एवं आईसीसीसी तथा स्टेडियम का स्टॉफउपस्थित रहा।

हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 मेधावी विद्यार्थियों को विकास भवन सभागार में किया गया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय परीक्षा 2024 में जनपद स्तर पर हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 मेधावी विद्यार्थियों को विकास भवन सभागार में माननीय कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार जी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश एवं माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल द्वारा सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जिला मेरिट में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने हाईस्कूल के 10 विद्यार्थियों श्लोक सागर, कुलदीप कुमार, वंश सिंघल, प्रियंका रानी, दीती बंसल, सुमैया खातून, कनिका, अंचल सैनी, दिव्यांशी शर्मा, शिवम तथा इंटरमीडिएट के 10 विद्यार्थियों देवांश कुमार, लक्ष्य कुमार, रिदम सिंह, निधि, वंशिका, ज्योति, दिव्या सड्डालिया, वाशु, वंश कुमार, निशा को एक मोबाइल टैबलेट, इक्कीस हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक मुजफ्फरनगर डॉ धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि जिले में हाईस्कूल व इंटरमीडिट के 60000 से अधिक विद्यार्थी परिषदीय परीक्षा 2024 में सम्मिलित हुए थे, जिनमे से जिला मेरिट में स्थान बनाना एक सम्मानित व प्रशंसनीय कार्य है। मेरिट में स्थान बनाने के बाद प्रत्येक विद्यार्थी की अपने परिवार, समाज व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है, उन्होंने सभी विद्यार्थियों के सुखद भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में माननीय कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने सभी शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को मोबाइल टैबलेट, धनराशि प्रदान कर सम्मानित करना एक सुखद पल है, प्रदेश सरकार देश के भविष्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कार्य कर रही है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार ने कहा कि प्रतिभा कभी संसाधन की मोहताज नही होती, आज

के डिजिटल युग में ग्रामीण अंचल के विद्यार्थी बहुत आसानी से शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ सकते है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीरपाल निर्वाल ने कहा कि जो पढ़ेगा वो ही बढ़ेगा, हमारी सरकार ने नकल विहीन परीक्षा परिषदीय परीक्षा संपादित कराई, उन्होंने अभिभावकों से अपील भी की अधिक से अधिक सरकारी विद्यालयों में अपने बच्चों को पढ़ाए।आज सभी राजकीय विद्यालय सभी संसाधनों से संपन्न है और विद्यालयों में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति भी नियमित हो रही है। नगरपालिका अध्यक्षा मीनाक्षी स्वरूप ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने माता पिता और शिक्षकों का हमेशा सम्मान देना चाहिए।उनकी सफलता में माता पिता और शिक्षकों का अहम योगदान रहता है। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ सुधीर सैनी ने कहा कि शासन के आज के अतुलनीय कार्यक्रम से जिले के सभी विद्यार्थी प्रेरित होंगे, प्रदेश सरकार ने बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों का स्तर उन्नत कर शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन किए है। सह जिला विद्यालय निरीक्षक शैलेन्द्र त्यागी ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य डॉ विकास कुमार द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न कैरियर व शासन की माध्यमिक शिक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। लखनऊ में हो रहे पुरुस्कार वितरण व विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम के सीधा प्रसारण को भी विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षक शिक्षिकाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य डॉ रणबीर सिंह ने किया। प्रधानाचार्य ललित मोहन गुप्ता, विनय यादव, आशीष द्विवेदी,, प्रवेंद्र दहिया, भारत शर्मा, अजय कुमार, अभिषेक गर्ग आदि का सहयोग रहा।

नुक्कड़ नाटक, एवं गोष्ठी के माध्यम से जल शक्ति अभियान का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जाए: नोडल अधिकारी

मुजफ्फरनगर। जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा नामित जनपद के नोडल अधिकारी/संयुक्त सचिव, (पी0एफ0सी0) अमित सिंह नेगी ने आज

पुनः विकास भवन सभागार में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत 'कैच द रेन' नारी शक्ति से जल शक्ति थीम के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि हमें जल जीवन मिशन पर बहुत ही प्राथमिकता के साथ काम करना है जल निगम को निर्देश दिए की जो कार्य अपूर्ण है उसको समय से पूरा कर लिया जाए। जल की बचत हम सभी की जिम्मेदारी है अनावश्यक रुप से जल का दोहन न किया जाए ग्राम एवं शहरी तथा नगर पंचायत में लोगों को जल शक्ति मिशन के संबंध में पानी का महत्व समझा जाए तथा लोगों को जागरुक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कराया जाए जिसमें स्कूली बच्चों द्वारा प्रभात फेरी ,आंगनवाड़ी के माध्यम से अथवा नुक्कड़ नाटक, एवं गोष्ठी ,के माध्यम से जल शक्ति अभियान का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जाए तथा लोगों को जागरूक किया जाए। अधिक से अधिक सोक पिट बनाई जाए और लोगों को पानी की आने वाली समस्याओं के बारे में बताया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की पाइपलाइन और पानी की टंकी पर विशेष ध्यान देकर कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि बुढाना ब्लॉक एवं बघरा ब्लॉक में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होने बताया कि जनपद में कई स्थानों का निरीक्षण किया गया है जो कि सतोंषजनक हैं। नोडल अधिकारी ने समीक्षा करते अधिकारियों को निर्देश दिये कि अमृत सरोवर योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तर पर तालाबों के जीर्णोद्वार कराया जाये उनसे अतिक्रमण हटाकर वहां पर तालाबों में पानी भरने की व्यवस्था, तालाबों का सौंदर्यकरण, तालाब के किनारे वृध्क्षारोपण एवं वहां पर बैठने की व्यवस्था भी करायी जाए। उन्होने निर्देश दिये कि इस कार्य हेतु अधिक से अधिक आम जनमानस को जोडने की आवश्यकता है ताकि जल सरंक्षण किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संदीप भगिया ने कहा कि महोदय द्वारा जो भी निर्देश प्राप्त हुए हैं उनका अक्षरसः अनुपालन किया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संदीप भगिया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत ने दूसरी बार जीता टी20 वर्ल्डकप का खिताब, साउथ अफ्रीकी टीम के अरमान रह गए अधूरे

नई दिल्ली। भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। बारबाडोस के केनसिंग्टन ओवल में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए। जिसके जवाब में अपना पहला टी20 वर्ल्ड कप फाइनल खेल रही अफ्रीकी टीम 169 रन ही बना पाई और खिताब से दूर हो गई। भारत दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का चौंपियन बना है। भारत ने पहली बार साल 2007 में ये ट्रॉफी जीती थी। इसी के साथ भारत तीसरी टीम बन गई है जिसने टी20 का खिताब दूसरी बार जीता है। उससे पहले इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के काम कर चुके हैं। भारत ने साल 2013 से चले आ रहे आईसीसी ट्रॉफी के सूखे और 17 साल से चले आ रहे टी20 वर्ल्ड कप के सूखे को खत्म कर दिया है। स्टब्स के आउट होने के बाद डिकॉक ने अपनी तूफानी पारी को जारी रखा और लगातार रन बनाते रहे। हेनरिक क्लासेन ने अपने चिर-परिचित अंदाज में लंबे शॉट्स लगाने शुरू किए। डिकॉक खतरनाक होते दिख रहे थे। दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन खेल दिखाया, जिसके बाद अर्शदीप सिंह ने 13वें ओवर की तीसरी गेंद पर डिकॉक को डीप स्क्वायर लेग पर कुलदीप यादव को कैच दे बैठे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 31 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बना। इसके बाद डेविड मिलर अभी बचे थे और भारत के लिए खतरा भी थे लेकिन बल्ले से कमाल नहीं दिखा पाए सूर्यकुमार यादव ने आखिरी ओर की गेंद पर मिलर का हैरतअंगेज कैच लपकते हुए मैच में भारत की जीत लगभग पक्की कर दी। हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में बाकी रन बचा लिए और भारत को जीत दिलाई। वहीं भारत की तरफ से जीत का हीरो और कोई नहीं बल्कि विराट कोहली रहे। कोहली पूरे टूर्नामेंट में फेल रहे लेकिन

फाइनल में उन्होंने 76 रन की अहम पारी खेली। उनकी ये पारी दबाव में आई। रोहित शर्मा 9 रन बनाकर दूसरे ओर में आउट हो गए। इसके बाद पंत बिना खाता खोले ही उल्टे पांव पवेलियन लौट गए। इसके बाद विराट कोहली के साथ अक्षर पटेल ने मिलकर 54 गेंदों में 72 रन की बेहतरीन साझेदारी की। अक्षर पटेल अर्धशतक से चूक गए लेकिन उन्होंने 31 गेंदों में 47 रन की बेहतरीन और अहम पारी खेली। अपनी पारी के दौरान उन्होंने चार छक्के और एक चौका मारा। कोहली ने फिर शिवम दुबे के साथ मिलकर 57 रन जोडेघ् और 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर कोहली के आउट होने के बाद दुबे भी आउट हो गए। उन्होंने 16 गेंदों में 27 रन बनाए। दुबे की पारी में तीन चौके और एक छ्कका शामिल रहा। वहीं हार्दिक पंड्या 5 रन बनाकर नाबाद रहे। जबकि रविंद्र जडेजा 2 रन ही बना पाए। साउथ अफ्रीका की तरफ से केशव महाराज और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट झटके। मार्को यानसेन और कगिसो रबाडा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। दूसरी तरफ भारत की ओर से हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने 2-2 और अक्षर पटेल ने 1 विकेट अपने नाम किया।

पति केजरीवाल की सीबीआई गिरफ्तारी पर बोलीं सुनीता, कानून नहीं तानाशाही है, ये इमरजेंसी है

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने बुधवार को आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं और इस बात पर जोर दिया कि यह सब तानाशाही और ष्आपातकालष् के समान है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी, तो भाजपा घबरा गई और उन्हें फर्जी मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया। सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि 20 जून अरविंद केजरीवाल को बेल मिली। तुरंत ईडी ने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन ब्ठप् ने आरोपी बना दिया। और आज गिरफ्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाये। ये कानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया और भ्रष्टाचार मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक की पांच दिन की हिरासत मांगी। ईडी द्वारा जांच की जा रही उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल 1 अप्रैल से जेल में हैं। 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी. वह 2 जून को जेल लौट आए। उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा इसके निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद जुलाई 2022 में केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 को वापस ले लिया गया था।

Mobile : 9811021565
AJAY K. AGARWAL
ADVOCATE SUPREME COURT
Off : 4, Firozshah Road Near Janpath
New Delhi-110001 Telefax : 23317927
E-mail : advocate_ajay@yahoo.co.in
Resi : 220, Kailash Hills, East of Kailash
New Delhi 110065
Tel : 26391886, 51622118, 26321498

Suresh Bhatia
Deepak Bhatia
BHATIA SALT INDUSTRIES
18-A, New Mandi, Muzaffarnagar
Ph.: (0131) (0) 2608955,2604355
(R) 2608355,3205527
M: 9837008303,9837008304
9927700000 Fax: 2603696
Branch Office:
107-A, L.I.G. Flat, Motia Khan
Pahar Ganj, Delhi-55
Ph. (011) 23548110
M: 09810298202

Shehbaz khan 9997441487
Fahad Khan 9997441482
Khan Ply Traders
All kind Glasses, Ply, Miror, Flush, Door Etc.
Job Work on Glass
321, Abkari Road, Muzaffarnagar

bindals
Sushil Agarwal
Director
Tehri
PULP & PAPER LIMITED
WORKS
9th Km Stone, Bhopa Road, Muzaffarnagar - 251001.
0131-2468383, 2468384, 2468385 Fax : 2468386
E-mail : tehripaper@rediffmail.com

पृष्ठ एक का शेष

चावल के उत्पाद को पैकेट कर ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म आमेजन व फिलिप्कार्ट आदि के माध्यम से बेच रही है। लगातार 3 वर्षों से प्रेरणा अपने गांव में काम कर रही है। प्रेरणा मिश्रा की मेहनत व गांव में परंपरागत तरीके से तैयार खाद्यान्न के बेहतर मार्केट की जानकारी प्रधानमंत्री तक पहुंच गयी। प्रधानमंत्री ने झारखंड के स्टार्टअप कार्यक्रम को चला रही प्रेरणा से बात कर उसकी हौसला आफ्जाई किया। कार्यक्रम डांडे गांव में दिन के 11 बजे आयोजित किया गया। गांव की महिलाएं पीएम मोदी की बातों को बड़े स्क्रीन में सुन रही थी। पीएम मोदी ने मन की बात में कहा कि 30 जून का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इस दिन आदिवासी भाई-बहन हूल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने संथाल जनजाति का भी जिक्र किया। पीएम ने हूल दिवस के मौके पर आदिवासी समुदाय को बधाई दी। बता दें कि संथाल आदिवासी हूल दिवस वीर सिदो-कान्हू की याद में मनाते हैं। वीर सिदो-कान्हू ने अपने अदम्य साहस से विदेशी शासकों के अत्याचार का विरोध किया था। पीएम ने कहा कि झारखंड के संताल परगना के आदिवासी भाई-बहन ने विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठा लिया था। उन्होंने कहा कि झारखंड के अमर सपूतों का यह बलिदान देशवासियों को आज भी प्रेरित करता है।

अयोध्या राम मंदिर के अधिकारी ने कहा-छत से कोई रिसाव नहीं हुआ, पानी तारों के लिए लगाए गए पाइप से आया

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंगलवार को मंदिर के मुख्य पुजारी के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने गर्भगृह से निकलने वाले वर्षा जल के रिसाव के बारे में बताया था। मिश्रा ने कहा, ष्पानी का कोई रिसाव नहीं हुआ था, बल्कि बिजली के तार लगाने के लिए लगाए गए पाइप से बारिश का पानी नीचे आया था। उन्होंने कहा, मैंने खुद मंदिर के निर्माण का निरीक्षण किया है। दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य चल रहा है। मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ष्जब दूसरी मंजिल की छत का निर्माण हो जाएगा, तब मंदिर में बारिश का पानी घुसना बंद हो जाएगा। मंदिर निर्माण में लापरवाही का आरोप लगाते हुए राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सोमवार को आरोप लगाया था कि शनिवार आधी रात को हुई बारिश के बाद मंदिर परिसर से बारिश के पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी और मंदिर के अधिकारियों से आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने का आग्रह किया था। दास ने मंदिर अधिकारियों से घटना का संज्ञान लेने और रिसाव को रोकने और मंदिर से पानी का निकास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने को कहा था। उन्होंने दावा किया था कि शनिवार आधी रात को हुई पहली भारी बारिश में मंदिर के गर्भगृह की छत से भारी रिसाव हुआ था। उन्होंने कहा था कि बारिश का पानी उस स्थान के ठीक ऊपर की छत से लीक हो रहा था, जहां पुजारी राम लला की मूर्ति के सामने बैठते हैं और जहां लोग वीआईपी श्दर्शनश् के लिए आते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत आश्चर्यजनक है कि देश भर के इंजीनियर राम मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को हुआ था। लेकिन, किसी को नहीं पता था कि अगर बारिश हुई तो छत टपकेगी। उन्होंने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि विश्व प्रसिद्ध मंदिर की छत टपक रही है। ऐसा क्यों हुआ ? उन्होंने कहा कि इतने बड़े इंजीनियरों की मौजूदगी में ऐसी घटना हो रही है, जो बहुत गलत है। मिश्रा ने कहा कि छत पर अस्थायी निर्माण करके श्रद्धालुओं को पानी और धूप से बचाने के उपाय किए गए हैं। मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में मिश्रा ने कहा कि पहली मंजिल पर काम चल रहा है और इस साल जुलाई तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर तक मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा।

शिवरात्रि से पहले कलेक्ट्रेट में पेपर लेस होगा कामकाज

मुजफ्फरनगर। सरकारी कार्यालयों को पेपर लेस वर्क से जोड़ने के लिए सरकार के दिशा निर्देश पर जिले में भी अमल शुरू कर दिया गया है। जनपद में कलेक्ट्रेट और सीडीओ कार्यालय में सबसे पहले पेपरलेस वर्किंग को लागू करने की तैयारी हो रही है। इसके लिए आज मीटिंग कर शिवरात्रि से पहले ही इसे लागू करने की जानकारी दी गई। योगी सरकार की पहल पर जिला पंचायत सभागार में एडीएम फाइनेंस गजेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारियों की बैठक लेते हुए स्पष्ट किया कि अब आगे से जो काम पेपर पर और फाइलों में होता है वह लैपटाप और कंप्यूटर पर होगा। इस दौरान जो भी कार्रवाई होगी, वह पेपर लेस होगी। किसी भी रूप में कलेक्ट्रेट के पटलों पर कोई भी कार्य पेपर के सहारे नहीं किया जायेगा। पेपर का कोई भी प्रयोग प्रशासनिक कर्मचारी अब नहीं करेंगे और यह जो आज बैठक की जा रही है सभी कर्मचारियों के लिए पेपरलेस करने की योजना की जानकादी देने के लिए की जा रही है। यह सबसे पहले मुजफ्फरनगर में कलेक्ट्रेट और सीडीओ कार्यालय विकास भवन में लागू होगी। इन दो विभागों में कर्मचारी अब बिना पेपर के कार्य करेंगे जो सब कुछ ऑनलाइन सिस्टम कंप्यूटर पर होगा। पर्यावरण को बचाने के लिए शासन प्रशासन ने यह है निर्णय लिया है कि सभी कर्मचारी अब पेपर लेस कार्य किया करेंगे। एडीएम फाइनेंस गजेन्द्र कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन के द्वारा 16 जुलाई से पूरा कलेक्ट्रेट और विकास भवन पेपरलेस करने की योजना हे जिसका उच्च अधिकारी शुभारंभ करेंगे जिसके लिए हम लोगों ने पूरी तैयारी कर ली है। कर्मचारियों को बैठक में दिशा निर्देश दिए गए हैं और जल्दी ही कर्मचारियों की ट्रेनिंग भी शुरू हो जाएगी। इसके बाद कर्मचारी पेपरलेस कार्य विभागों में कर सकेंगे। बैठक में कलेक्ट्रेट के सभी संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

दानवीर भामा शाह की जयंती पर जिला प्रशासन ने व्यापारियों को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। दानवीर भामा शाह की जयंती पर जिला प्रशासन द्वारा बड़े टैक्स पेयर व्यापारियों को सम्मानित किया गया। जिला पंचायत सभागार में व्यापार कल्याण दिवस के रूप में भामा शाह की जयंती मनाई गई। इस दौरान कार्यक्रम में एडीएम फाइनेंस गजेंद्र सिंह व जॉइंट कमिश्नर कार्यपालक सांत्वना गौतम मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों के विचार सुनकर उनकी समस्याओं का भी निस्तारण किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष ही शासन ने निर्णय लिया था कि दानवीर भाभा शाह की जयंती व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान जनपद के सर्वाधिक टैक्स पे करने वाले व्यापारियों को जॉइंट कमिश्नर और अपर जिलाधिकारी राजस्व ने भामा शाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जॉइंट कमिश्नर कार्यपालक सांतना गौतम ने बताया कि शासन द्वारा निर्णय लिया गया था कि 29 जून को दानवीर भाभा शाह वर्षगांठ व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाई जाएगी इसी क्रम में पहली बार व्यापारी कल्याण दिवस मनाया जा रहा है। और यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि इसमें सम्मानित व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि व्यापारियों के विचारों को सुना गया और उनकी समस्याओं को सुन कर निस्तारण किया गया है। जो समस्या है शासन स्तर की है उन्हें लिखित में शिकायत लेकर आगे भेज दिया गया है। अपर जिलाधिकारी राजस्व गजेंद्र सिंह ने बताया कि आज दानवीर भाभा शाह की जयंती व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाई गई है उन्होंने व्यापारियों को मोटिवेट करते हुए कहा कि जो समाज की मुख्य धारा से पिछड़े हुए वर्ग हैं उन्हें भी अपने साथ जोड़कर चलें क्योंकि जब भी भाभा शाह का नाम आता है तो उनको दानवीर के रूप में देखा जाता है। कार्यक्रम में व्यापारी नेता संजय मित्तल, प्रमोद मित्तल, कृष्ण गोपाल मित्तल, जगमोहन गोयल, विश्व दीप गोयल बिट्टू, प्रवीण खेड़ा, पवन बंसल, राकेश त्यागी, सरदार गुरनाम सिंह, अजय सिंहल, प्रमोद काटी सहित दर्जनों व्यापारी व उद्योग बंधु मौजूद रहे। व्यापारियों ने जीएसटी विभाग के शोषण के खिलाफ भी जमकर भड़ास निकाली जिस पर कमिश्नर ने कहा की मैनें अभी चार्ज लिया है अब से कोई भी व्यापारी का शोषण नहीं करेगा। जीएसटी और व्यापारी एक दूसरे के पूरक है आपसे हमे राजस्व मिलता है। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

मानसून के पहले ही दिन घुटनों पर आई दिल्ली, पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को मानसून के पहले दिन लगातार तीन घंटे तक बारिश हुई जो पिछले 88 सालों में इस महीने हुयी सर्वाधिक वर्षा है और बारिश से जुड़े हादसों में राष्ट्रीय राजधानी में पांच लोगों की मौत हो गई। बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्से जलमग्न हो गए। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा वहां खड़ी कारों पर गिर पड़ा, जिससे एक कैब चालक की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। इस हादसे के बाद विमानों का परिचालन स्थगित करना पड़ा। रोहिणी के प्रेम नगर इलाके में 39 वर्षीय व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई, वहीं न्यू उस्मानपुर इलाके में बारिश के पानी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में एक अंडरपास में जमा बारिश के पानी में डूबने से 20 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा वसंत विहार में सुबह एक निर्माणाधीन दीवार गिरने से तीन मजदूर मलबे में दब गए। बचाव कार्य शाम तक जारी रहा लेकिन गुजरते वक्त के साथ उनके बचने की उम्मीदें दम तोड़ रही हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1936 के बाद शहर में पिछले 88 वर्षों में जून में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है, और 1901 से 2024 की अवधि में यह दूसरी सबसे अधिक बरसात है। मानसून की पहली बारिश में ही दिल्ली के विभिन्न पॉश इलाकों में पानी भर गया जिनमें लुटियंस दिल्ली भी शामिल है, जहां कई मंत्रियों और सांसदों का आवास है। भारी बारिश के बाद जलभराव से सांसदों को संसद पहुंचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।दिल्ली की जल मंत्री आतिशी, कांग्रेस के शशि थरूर और मनीष तिवारी तथा समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव सहित कई सांसदों के बंगले जलमग्न हो गए। दिल्लीवासी सुबह जब सोकर उठे तब तक भारी बारिश राजधानी को तर-बतर कर चुकी थी। इस दौरान लोगों के घरों में पानी भर गया, वाहन डूब गए और मीलों लंबा यातायात जाम लग गया, जिसे खत्म होने में घंटों लग गए। हजारों यात्री सड़कों पर फंसे रहे, जिनमें से कई अपने कार्यालय और दूसरे कामों पर नहीं जा सके। बारिश के बाद प्रगति मैदान की सुरंग बंद कर दी गई। इसके अलावा लुटियंस दिल्ली, हौज खास, साउथ एक्सटेंशन और मयूर विहार जैसे पॉश इलाकों समेत पूरे शहर में घरों में पानी भरने की खबरें मिली हैं। शहर के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफ्दरजंग वेधशाला ने शुक्रवार सुबह 8:30 बजे से पहले के 24 घंटों में 228.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की, जो जून की औसत बारिश 74.1 मिमी से तीन गुना अधिक

है। साल 1936 के बाद से 88 वर्षों में इस महीने में हुई यह सबसे अधिक बारिश है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार एक दिन में 124.5 से 244.4 मिमी के बीच हुई बारिश बहुत भारी बारिश मानी जाती है। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली में मानसून दस्तक दे चुका है। बारिश रात करीब तीन बजे शुरू हुई थी। बारिश के चलते राजनीतिक हलचल तेज हो गई। दिल्ली सरकार ने स्थिति का जायजा लेने के लिए दोपहर में एक आपातकालीन बैठक की। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा, 1936 के बाद पहली बार दिल्ली में 24 घंटे में 228 मिलीमीटर बारिश हुई। इसका मतलब है कि दिल्ली में कुल मानसूनी बारिश (800 मिलीमीटर) में से 25 प्रतिशत बारिश सिर्फ24 घंटे में हुई। इस वजह से कई इलाकों में नाले ओवरफ्लो हो गए और पानी निकलने में समय लगा। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, दिल्ली में भारी बारिश को देखते हुए डीटीसी की टीमें ऐसी सभी जगहों और अंडरपास पर तैनात की गई हैं, जहां जलभराव की आशंका है, ताकि दिल्ली सरकार की बसें जलभराव में न फंसें। उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने भी एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा जलभराव की शिकायतों से निपटने के लिए पानी निकालने वाले पंप तैनात करने का निर्देश दिया। इस बीच, भाजपा पार्षद रविंदर सिंह नेगी का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उन्हें पानी से भरी सड़क पर नाव चलाते देखा गया। नेगी ने 'एक्स' पर लिखा,''हम पिछले एक महीने से पीडब्ल्यूडी के नालों की सफाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार ने कुछ नहीं किया। नतीजा यह है कि आज पूरा शहर पानी से लबालब है और सरकार ने कोई प्रबंध नहीं किया।'' राष्ट्रीय राजधानी में जलभराव की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर निशाना साधते हुये भाजपा ने मथुरा रोड स्थित आतिशी के आवास में पानी घुसने की तस्वीरें भी साझा कीं। कई आवासीय क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को कमर तक भरे पानी में चलकर जाते देखा गया। सांसद शशि थरूर और मनीष तिवारी ने 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट किए, जिनमें वे संसद जाते समय लुटियंस दिल्ली में अपने-अपने घरों के बाहर भरा पानी दिखाया। थरूर ने लिखा, ... सुबह जब मैं उठा तो पाया कि मेरा पूरा घर एक फुट पानी में डूबा हुआ है - हर कमरा। कालीन और फर्नीचर, बल्कि जमीन पर पड़ी हर चीज खराब हो गई है। कुछ ही देर बाद एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि वह इस बात से आश्चर्यचकित और प्रभावित हुए कि ट्वीट के कुछ ही मिनट बाद उपराज्यपाल वी के सक्सेना की ओर से फोन कॉल आया। उन्होंने कहा, श्री वी के सक्सेना ने विम्रता दिखाते हुए हाल जाना। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारियों के बंटवारे की वजह से प्रभावी कार्रवाई में आने वाली बाधाओं के बारे में बताया। तिवारी ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह अपने घर से टखने तक भरे पानी में बाहर निकलते नजर आ रहे हैं और उनकी पैंट ऊपर चढ़ी हुई है। एक वीडियो में समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव को उठाकर उनकी कार तक ले जाते हुए देखा गया। इस बीच भारत मौसम विभाग ने कहा कि बड़े पैमाने पर कई मानसूनी मौसमीय प्रणालियों के कारण दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 28 जून की सुबह तेज वर्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश के बीच, शुक्रवार को नगर निगम एजेंसियों और पुलिस को दिल्ली भर से जलभराव की समस्या के संबंध में 300 से अधिक शिकायतें मिलीं।